

ठेकेदार की बीवी

“उस दिन मैं नाइट ड्यूटी करके सुबह साढ़े सात बजे घर पहुँचा मेरी वाइफ एक टीचर है और स्कूल जाने के लिए तय्यार हो रही थी.आठ बजे वो घर से निकल गयी. मैं नहा कर फ्रेश हो गया और रोज की तरह सोने की तय्यारी करने लगा.अचानक दरवाजे पर दस्तक हुई तो मैं चौंक गया. [...] ...”

Story By: guruji (guruji)

Posted: Wednesday, June 30th, 2004

Categories: [कोई मिल गया](#)

Online version: [ठेकेदार की बीवी](#)

ठेकेदार की बीवी

उस दिन मैं नाइट ड्यूटी करके सुबह साढ़े सात बजे घर पहुँचा मेरी वाइफ एक टीचर है और स्कूल जाने के लिए तय्यार हो रही थी.आठ बजे वो घर से निकल गयी. मैं नहा कर फ्रेश हो गया और रोज की तरह सोने की तय्यारी करने लगा.अचानक दरवाजे पर दस्तक हुई तो मैं चौंक गया. बड़ी गहरी नींद आ रही थी और मैं बहुत परेशान था की इस वक़्त कौन आ गया.मैने दरवाजा खोला तो सामने एक औरत खड़ी थी.

करीब पच्चीस साल की उमर की एक देहाती औरत को देखकर मैने सोचा शायद कोई माँगने वाली है.

“क्या चाहिए” मैने पूछा.

“मेरा भाई काम पर आया बाबूजी ?” वो बोली

“कौन भाई ?” मुझे गुस्सा आ रहा था

“मेरा भाई राजू बाबूजी” मीठी सी आवाज़ में वो बोली

“राजू बेलदार ?” मैने उसे उपर से नीचे तक देखते हुए पूछा. उन दिनों हमारे घर में कन्स्ट्रक्शन का काम चल रहा था और राजू एक बेलदार का नाम था
राजू हमारे बिल्डिंग ठेकेदार लल्लन का साला था.यानी मेरे सामने खड़ी औरत लल्लन की बीबी थी.

“जी बाबूजी राजू बेलदार मेरा भाई है कल रात से घर नहीं आया तो मैने सोचा की आपके यहाँ देख लूँ” वो बड़ी प्यारी मुस्कुराहट के साथ बोली.

मुझे उसकी मुस्कराहट बड़ी सुंदर लगी. मैंने उसे अंदर आने के लिए कहा तो वो अंदर आकर नीचे ज़मीन पर बैठने लगी

“अरे नीचे नही सोफे पर बैठो” वो शरमाती हुई सोफे पर बैठ गयी .मैं सामने के बेड पर बैठ गया.

“राजू तो कल शाम को पाँच बजे चला गया था और सुबह से आया नही” मैंने कहा. वो गर्मियाँ के दिन थे कूलर की सीधी हवा बेड पर आ रही थी. वो सोफे पर बैठी तो शायद उसे गर्मी लग रही होगी.

“कोई बात नही बाबूजी , शायद किसी दोस्त के यहाँ रुक गया होगा राजू.मैं कहीं और देख लूँगी” वो बोली.

मैंने पूछा ” क्या तुम लल्लन की घरवाली हो ?” उसने हाँ में गर्दन हिला दी ,बिल्कुल बच्चों की तरह.

“क्या नाम है तुम्हारा ?” मैंने बातों का सिलसिला आगे बढ़ाया.

“आरती” कहकर वो शर्मा सी गयी.

“बहुत सुंदर नाम है” मैंने कहा “चाय पियोगी आरती ?”

मेरे मूह से अपना नाम सुनकर उसने अचानक मेरी देखा “आप तकलीफ़ क्यों करते हो बाबूजी ?”

“अरे तकलीफ़ कैसी आरती , मैं अपने लिए तो बना ही रहा हूँ तुम भी पी लेना” मुझे बार बार उसका नाम लेकर बुलाने में मज़ा आ रहा था.

“ठीक है बाबूजी , बना लीजिए” वो फिर मुस्कुराइ . अब मुझे उसकी मुस्कुराहट और अच्छी लगी.

मैं किचन में चाय बना रहा था और मन में उल्टे सीधे विचार आने लगे.चाय बनाने में ध्यान कहाँ लगता.आँखों के सामने आरती की खूबसूरत मुस्कुराहट घूम रही थी.चाय उबल कर बाहर निकल गयी.

“क्या हुआ बाबूजी ?” आरती ने आवाज़ लगाकर पूछा.ऐसा लगा मानो मेरी घरवाली कुछ पूछ रही हो

“कुछ नहीं “कहते हुए मैं चाय दो कपो में लेकर रूम में आ गया . सामने बैठी आरती को पसीना आ रहा था.

“गर्मी लग रही हो तो इधर बेड पर आ जाओ आरती” मैंने कहा तो वो आकर मेरे सामने बेड पर बैठ गयी. मैंने देखा की उसकी हाइट बहुत कम थी लेकिन शरीर भरा हुआ था थोडा पेट भी निकला हुआ था रंग सांवला लेकिन नैन नक्श तीखे थे

हम दोनो चाय पीने लगे . मैंने पूछा “और घर में कौन कौन है आरती” मैं जान बूझकर उसका नाम ले रहा था

“हम दोनो मियाँ बीबी और एक बच्चा है बाबूजी. अभी छोटा है एक साल का और साथ में राजू भी रहता है” वो आँखों में आँखें डालकर बात कर रही थी

“दूसरा बच्चा होने वाला है क्या , आरती ?” पूछते हुए मेरा मन जोरों से धड़कने लगा. कहीं आरती बुरा मान गयी तो ?

“धत्त बाबूजी आप भी क्या पूछते हैं ” वो शर्मा कर मुस्कुरा दी “आपने ऐसा क्यों पूछा ?”

“तुम्हारा पेट देखकर” मैंने हिम्मत करके कह दिया.

“धत्त बाबूजी अभी नहीं , अभी तो पहला ही छोटा है ” उसने चाय खत्म करते हुए कहा.”अच्छा अब मैं चलूं बाबूजी ?” वो उठने लगी

“थोड़ी देर और बैठो ना आरती प्लीज़” कहते हुए मैंने उसका हाथ पकड़ लिया.

“ये क्या करते हो बाबूजी ? कहीं किसी ने देख लिया तो ?” उसने हाथ छुड़ाने की कोशिश नहीं की

मेरी हिम्मत और बढ़ गयी. मैंने उसे अपने पास खींच लिया “हम दोनो के अलावा यहाँ है कौन जो हमे देखेगा आरती ?” मैंने उसका एक चुम्मा ले लिया

“नहीं बाबूजी हमे जाने दो ,हमे खराब ना करो” वो दरवाजे की तरफ जाने लगी. मैंने उसका पल्लू पकड़ लिया.

“ऐसे नहीं आरती , ऐसे मत जाओ प्लीज़ . मैं तुम्हारे साथ कुछ और देर रहना चाहता हूँ” मेरे स्वर में विनती थी

“नहीं बाबूजी मैं और नहीं रुक सकती. आप इतने लंबे और मैं इतनी छोटी , हमारा मिलन कैसे होगा “वो बोली और इसी छीना झपटी में उसकी साड़ी खुल गयी.उसने अपनी बाहे अपने सीने पर रख ली.

“ये क्या छुपा रही हो हमसे आरती रानी ,दिखाओ ना” मैंने उसकी बाहे हटाने लगा.

“आप बड़े गंदे हो बाबूजी ,कैसी गंदी बाते करते हो . ये तो मेरा बच्चा चूस्ता है इनमे आप

क्या लोगे ?” आरती बोली.

“तो हमें भी दिखाओ ना हम भी चूस लेंगे थोड़ी सी” कहते हुए मैंने उसकी दोनों चुचियाँ पकड़ ली . क्या पत्थर की तरह सख्त चुचियाँ थी आरती की चुचियाँ पकड़ते ही आरती बुरी तरह से काँपने लगी

” क्या बात है आरती रानी ? काँप क्यों रही हो ” मैं घबरा गया था

“क्या बताऊँ बाबूजी , बहुत डर लग रहा है . पता नहीं आप मेरे साथ क्या करने वाले हो . मुझे छोड़ दो बाबूजी, जाने दो, मैं आपके हाथ जोड़ती हूँ.”

मुझे लगा कहीं आरती शोर ना मचा दे , आखिर अडोस पड़ोस में और भी लोग रहते हैं

“इसमें डरने की क्या बात है आरती रानी ? मैं तुम्हारे साथ ज़बरदस्ती नहीं करूँगा . जो भी होगा तुम्हारी रज़ामंदी से होगा . आओ बेड पर बैठ कर बात करते हैं . ठीक है आरती रानी ?” मैंने पूछा

” ठीक है बाबूजी” उसके हाँ कहते ही मेरी जान में जान आई . मैंने आरती को अपनी बाहों में उठा लिया और ला कर बेड पर लिटा दिया.

बिल्कुल फूल की तरह कोमल थी आरती. हल्की सी, छोटी सी और प्यारी सी

” अब बताओ आरती रानी, किससे डर लगता है तुम्हें ” मैं उसके पास बैठ गया और सिर पर हाथ फेरने लगा

” बाबूजी आप मुझे बार बार आरती रानी कहकर क्यों पुकारते हो ? मैं कहीं की रानी थोड़े ना हूँ . मेरा नाम तो सिर्फ़ आरती है .” वो बोली .

“रानी तो तुम बन गयी हो आरती , आज से मेरे इस दिल की ” कहकर मैंने झुककर उसके

होंठ चूम लिए

” हाय राम बाबूजी , आप तो बड़े बेशरम हो ” उसने अपना चेहरा अपने हाथों से छुपा लिया . आरती क्री इस अदा पर तो मैं जैसे फिदा ही हो गया . मैंने उसके चेहरे से हाथ हटाते हुए कहा “आरती रानी मेरा दिल करता है कि तुम्हारे इन होंठो क्री सारी लिपस्टिक चाट लूँ . तुम बुरा तो नहीं मान जाओगी”

“इसमे बुरा मानने वाली क्या बात है बाबूजी ? बस एक बात का खयाल रखना कि अगर आप मेरी लिपस्टिक चाटना चाहते हो तो नयी लिपस्टिक भी मुझे दिलानी पड़ेगी , बोलो मंजूर है ?” मेरा कलेज़ा उछाल मारने लगा

“एक नही दस लिपस्टिक ले लेना मेरी जान ” मेरी किस्मत ज़ोर मार रही थी शायद .

“तो फिर आपको किसने रोका है लेकिन अपना वादा याद रखना ” आरती मुस्कुराते हुए बोली . वही कातिलाना मुस्कुराहट जिसने मुझे पागल किया था . मैं पागलों क्री तरह उसके होंठो को चूमने लगा . थोड़ी देर बाद आरती भी मेरा साथ देने लगी .

आरती ने अपना एक हाथ मेरे सिर के पीछे रख लिया और मेरा चेहरा अपने होंठों पर दबाने लगी . मेरे होंठ अपने होंठों में लेकर चूसने लगी , मेरे होंठ अपने दाँतों से काटने लगी . पता नही कितनी देर तक हम दोनो एक दूसरे को चुसते रहे . कितने रसीले होंठ थे आरती के ,ऐसा लगा मानो मैं शहद पी रहा था , इतने मीठे होंठ मैंने आज तक नहीं चखे थे . जब हम अलग हुए तो मैंने कहा “आरती रानी , मेरा मन कर रहा है कि मैं तुम्हारे ये कोमल कोमल गाल भी चूसू “

“फिर तो आपको एक पाउडर का डिब्बा भी दिलाना पड़ेगा बाबूजी ” कहकर आरती खिलखिलाकर हंस पड़ी . क्या नज़ारा था वो . आरती के हंसते ही मानो सारे कमरे में मोती

बिखर गये . मेरा रोम रोम खिल गया . क्या किसी औरत क्री हँसी इतनी सुंदर भी हो सकती है

“मैं तो तुम्हे सारा मेकप का सामान ही दिला दूँगा मेरी जान और अपने हाथों से तुम्हे दुल्हन क्री तरह सजाऊँगा “कहकर मैं उसके गालो को चूमने लगा

“सच बाबूजी ?” उसने मुझे ज़ोर से भींच लिया अपनी बाहों में, “ओह बाबूजी आप कितनी प्यारी बातें करते हो . आज आपने मुझे जीत लिया बाबूजी . मैं आज से सचमुच आपकी आरती रानी बन गयी हूँ ” और वो भी मुझे बेतहाशा चूमने लगी

मैंने अपना एक हाथ उसके सीने क्री एक गोलाई पर रख दिया . आरती ने कोई प्रतिरोध नहीं किया . मैं समझ गया कि आरती अब कोई प्रतिरोध नहीं करेगी

वही हाथ मैंने दूसरी गोलाई पर रख दिया . “कुछ ढूँढ रहे हो क्या बाबूजी ?” आरती धीरे से मेरे कान में बोली

“हाँ आरती रानी “मैंने उसके कान में कहा

“क्या ढूँढ रहे हो बाबूजी ? क्या मैं आपकी मदद करूँ ?” आरती मेरा कान दाँतों से काटने लगी

” हाँ आरती रानी मेरी मदद करो ना . मेरा दिल तुम्हारी चोली में कहीं खो गया है उसे ढूँढने में मेरी मदद करो ” मेरा दिल बेकाबू हो रहा था

“अगर आपका दिल मेरी चोली में खो गया है तो ऐसे उपर से टटोलने से थोड़े ही मिलेगा बाबूजी , ज़रा अंदर कोशिश करो ” फिर वही शरारती मुस्कुराहट

” वाह आरती रानी तुमने तो मेरे दिल कि बात कह दी ,” ठीक है मैं अपना दिल तुम्हारी

चोली के अंदर ढूँढता हूँ “

इतना कहकर मैंने अपना हाथ उसके ब्लाउस में डाल दिया .उसकी एक गोलाई को पकड़ लिया . कितनी सख्त चुचि थी आरती क्री . फिर दूसरी गोलाई को पकड़ कर बहुत देर तक दबाता रहा . इतना दबाने पर भी चुचियाँ नरम नहीं हुई . अब मेरा मन आरती क्री गोलाईयाँ चूसने के लिए बेताब हो रहा था

” क्या हुआ बाबूजी दिल मिला या नहीं ” आरती आँखे बंद किए हुए बोली

“नहीं मिला मेरी जान . अब क्या करूँ आरती रानी” मैंने उसका स्तन ज़ोर से दबा दिया

“उफ्फ बाबूजी , ये क्या करते हो ?अगर नहीं मिला तो ऐसे दबाने से थोड़े ही मिल जाएगा , चोली उतार कर ढूँढ लो ना “आरती गरम हो चुकी थी

मैं भी तो यही चाहता था. मैंने उसके ब्लाउस के सारे हुक खोल दिए .आरती ने अंदर ब्रा नहीं पहनी थी हुक खोलते ही दोनो मस्त कबूतर बाहर झाँकने लगे. मैंने आरती को बैठा लिया और उसका ब्लाउस उसके सीने से अलग कर दिया . दोनो सफेद कबूतर अब आज़ाद थे और तने हुए थे

“आरती रानी ये बताओ तुम्हारी ये सुंदर चुचियाँ इतनी सख्त और तनी हुई क्यों हैं” मैंने चुचियों को सहलाते हुए पूछा .

” बाबूजी ये तनी हुई नहीं भरी हुई हैं . इनमे दूध भरा है मेरे बेटे के लिए , जब वो इनको चूस लेता है तो उसकी भूख मिट जाती है और मुझे भी बड़ा चैन मिलता है .जब तक वो नहीं चूस्ता इनमे दर्द होता रहता है जैसा क्री अब भी हो रहा है ” आरती बोली

“आरती रानी तुम्हारी चुचियों में दर्द हो रहा है और मुझे भी भूख लगी है , क्या कोई ऐसा

रास्ता नहीं है क्री मेरी भूख मिट जाए और तुम्हारी छातियों का दर्द कम हो जाए मेरी जान
” मैंने अपने दिल क्री बात कह दी

“मैं समझ गयी बाबूजी आप क्या चाहते हो . मुझे मालूम था क्री आप का दिल मेरी चुचियों पर आ चुका है और आप इन्हे चूसे बिना नहीं छोड़ोगे .आओ बाबूजी मेरी गोद में लेट जाओ आज मैं आपको अपने बच्चे क्री तरह चुचि पिलाऊँगी . जी भर कर पियो बाबूजी लेकिन काटना मत ” आरती ने कहा

मैं आरती क्री गोद में लेट गया और आरती ने दो उंगलियों से पकड़ कर चुचि वैसे ही मेरे मूह में दी जैसे कोई माँ अपने बच्चे को देती है. मैं चूसने लगा तो सचमुच आरती क्री चुचि में से दूध आने लगा . कितना गर्म और मीठा दूध था आरती क्री चुचियों का . मैं एक एक बूँद चूस लेना चाहता था और शायद आरती भी यही चाहती थी इसलिए एक चुचि खाली होते ही उसने मेरे मूह में झट दूसरी चूची डाल दी

” चूसो बाबूजी और ज़ोर से चूसो , जी भर कर पियो आज अपनी आरती रानी क्री छातियाँ , चूस चूस कर खाली कर दो बाबूजी , इनको थोड़ी नरम बना दो , इनका दर्द मिटा दो ” आरती मस्ती में बड़बड़ा रही थी “हाँ बाबूजी ऐसे ही प्यार से चूसो , हाए बाबूजी आप कितनी अच्छी तरह चूसते हो इतना मज़ा तो पहले कभी नहीं आया . लल्लन तो कभी इन्हे चूसता ही नहीं “

“क्या कहती हो आरती रानी लल्लन इन चुचियों को नहीं चूसता . भला ऐसा कौन सा मर्द होगा जो तुम्हारी इन मदभरी चूचियों को छोड़ देगा “

” सच कहा बाबूजी आपने कोई मर्द नहीं छोड़ेगा लेकिन लल्लन मर्द कहाँ वो तो नामर्द है , हिज़ड़ा है हरामी “आरती क्री आँखे भर आई

“तो फिर ये बच्चा किसका है आरती रानी “मैं चोंक गया था

“ये बच्चा भी आप जैसे किसी बाबू का है बाबूजी दो साल पहले उनसे ऐसे ही मिली थी जैसे आज आप मिल गये बाबूजी और उन्होंने अपने प्यार की निशानी ये बच्चा मेरे पेट में डाल दिया ” मैंने आरती को अपने पास खींच लिया और जी भर कर चूमा

“तो क्या तुम मेरे बच्चे को भी जन्म दोगी आरती रानी ” धीरे धीरे वासना की जगह प्यार ने ले ली

” हाँ बाबूजी मैं आपके बच्चे को जन्म दूँगी , आज आप अपना बच्चा मेरे पेट में डाल दो , बाबूजी आप का बच्चा आप ही की तरह होना चाहिए लंबा और तगड़ा बाबूजी . ऐसे ही प्यार से मेरी छातियाँ चूसे जैसे आज आपने चूसी हैं

“सच आरती रानी मुझे तो विश्वास ही नहीं हो रहा की तुम मेरा बच्चा जनोगी ” मेरा दिल मेरे मूह को आ रहा था

” इसमे विश्वास ना करने वाली कौन सी बात है बाबूजी . मैं आपके साथ एक बिस्तर पर लेटी हूँ , नंगी पड़ी हूँ , आपने चूस चूस कर मेरी छातियाँ खाली कर दी मेरिचुचियाँ निचोड़ डाली और अब मैं आपसे एक बच्चे की भीख माँग रही हूँ . प्लीज़ बाबूजी मुझे आपका बच्चा पैदा करना है ” आरती गिड़गिदने लगी

“आरती रानी इसमे भीख माँगने वाली कोई बात नहीं . मैं तो खुद चाहता हूँ की तुम मेरा बच्चा पैदा करो मेरी जान “

” तो फिर दो ना बाबूजी देर किस बात की , डाल दो ना अपना बच्चा मेरे पेट में , मैं तय्यार खड़ी हूँ बाबूजी आओ “आरती को काफ़ी जल्दी थी चुद्वने की

” अभी तुम पूरी तरह तय्यार कहाँ हो आरती रानी , ये घाघरा भी तो खोलना है , तभी तो मैं तुम्हारे पेट में बच्चा डाल सकता हूँ ” मैं मज़े ले रहा था

“खोल दो घाघरा बाबूजी आपको किसने रोका है और नहीं तो ये लो मैं खुद ही खोल देती हूँ ” कहते हुए आरती ने एक झटके से अपने घाघरे का नाडा खींच दिया . अब उसका घाघरा ज़मीन पर था और मेरी आरती मेरे सामने बिल्कुल नंगी खड़ी थी . कितनी सुंदर दिख रही थी. मैंने भी अपने सारे कपड़े उतार दिए और पूरा नंगा होकर आरती को बाहों में उठा लिया

” आओ आरती रानी आज मैं तुम्हारी मनोकामना पूरी करूँगा . तुम्हारे पेट में अपना बच्चा डालूँगा और तुम्हारी योनि की सारी प्यास बुझा दूँगा ” कहते हुए मैंने आरती को बिस्तर पर लिटा दिया और खुद उसके उपर चढ़ गया

बाकी अगले भाग में



Other stories you may be interested in

सविता भाभी शिमला में

पुलिस की मदद की और डाकू को गिरफ्तार करवाया प्रिय पाठको.. आप सभी की मददमस्त सविता भाभी की चित्रकथाओं में से एक कहानी उनके द्वारा अपने शिमला टूर के दौरान एक नाम डाकू को पकड़वाने का किस्सा आपके सामने पेश [...]

[Full Story >>>](#)

मुझे ब्लैकमेल करके पूरी रात चूत चुदवाई-2

अब तक आपने पढ़ा.. मेरी मुलाकात पूनम नाम की एक पैसे वाली महिला से हुई और उसी से दोस्ती के चक्कर में मुझे उसकी धमकी भी सुननी पड़ी। अब आगे.. मैंने जाँगिंग पर जाना शुरू कर दिया। उस दिन कुछ [...]

[Full Story >>>](#)

मेरी अन्तर्वासना हिन्दी सेक्स स्टोरी की फ़ैन की चूत-1

नमस्कार दोस्तो, आप मेरी कहानियाँ को पढ़कर मुझे और कहानियाँ लिखने के लिए उत्साहित कर रहे हो। उसके लिए मैं आपका धन्यवाद करता हूँ। आपके द्वारा मेरी कहानी पढ़ कर मुझे ईमेल करने से मुझे आप लोगों की राय पता [...]

[Full Story >>>](#)

वासना की न खत्म होती आग-10

अब तक आपने पढ़ा.. होटल के कमरे में अन्दर जाते ही जो नज़ारा मैंने देखा उसे देख कर तो मेरे जैसे होश ही उड़ गए। अब आगे.. मैं दरवाजे के सामने ही खड़ी थी और वो नजारा मुझे सुधबुध खोने [...]

[Full Story >>>](#)

मुझे ब्लैकमेल करके पूरी रात चूत चुदवाई-1

आज तक मैंने अन्तर्वासना पर अनगिनत कहानियाँ पढ़ी हैं। इसमें कुछ बहुत अच्छी लगीं और कुछ बनावटी भी लगीं.. पर मजेदार लगीं। इन कामुक और सच्ची कहानियों को पढ़ कर मुझे भी लग रहा है कि क्यों न मैं अपनी [...]

[Full Story >>>](#)



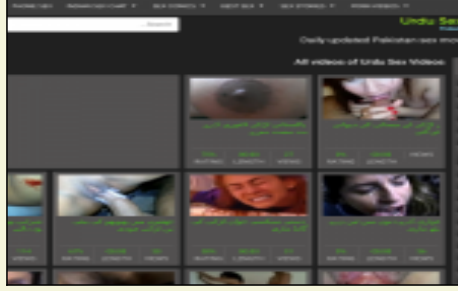
Other sites in IPE

Antarvasna



अन्तर्वासना के पाठकों के प्यार ने अन्तर्वासना को दुनिया की सर्वाधिक पढ़े जाने वाली सर्वश्रेष्ठ हिन्दी व्यस्क कथा साईट बना दिया है। अन्तर्वासना पर आप रोमांटिक कहानियाँ, सच्ची यौन घटनाओं पर आधारित कहानियाँ, कपोल कल्पित सेक्स कहानियाँ, चुटकले, हास्य कथाएँ पढ़ रहे हैं। Best and the most popular site for Hindi Sex Stories about Desi Indian Sex. अन्तर्वासना पर आप भी अपनी कहानी, चुटकले भेज सकते हैं!

Urdu Sex Videos



Daily updated Pakistani sex movies and sex videos.

Antarvasna Porn Videos



Antarvasna Porn Videos is our latest addition of hardcore porn videos.

Velamma



Vela as her loved ones like to call her is a loving and innocent South Indian Aunty. However like most of the woman in her family, she was blessed with an extremely sexy figure with boobs like they came from heaven! Visit the website and check the first 3 episodes for free.

Tamil Kamaveri



சூடு ஏத்தும் தமிழ் செக்ஸ் கதைகள் , தமிழ் லெஸ்பியன் கதைகள் , தமிழ் குடும்ப செக்ஸ் கதைகள் , தமிழ் ஆண் ஓரின சேர்க்கை கதைகள் , தமிழ் கள்ள காதல் செக்ஸ் கதைகள் , படிக்க எங்கள் தமிழ்காமவெறி தளத்தை விசிட் செய்யவும் . மேலும் நீங்கள் உங்கள் கதைகளை பதிவு செய்யலாம் மற்றும் செக்ஸ் சந்தேகம் சம்பந்தமான செய்திகளும் படிக்கலாம்

Kambi Malayalam Kathakal



Large Collection Of Free Malayalam Sex Stories & Hot Sex Fantasies.